प्रश्न 51. 'संस्मरण' क्या है। समझाइए।

उत्तर– संस्मरण गद्य की एक आत्मनिष्ठ विधा है। संस्मरणकार अपने व्यक्तिगत जीवन तथा अपने सम्पर्क में आये हुए अन्य व्यक्तियों के जीवन में किसी पहलू पर स्मृति के आधार पर प्रकाश डालता है। अपने व्यक्तिगत जीवन में हम नित्य ही अनेक व्यक्तियों के सम्पर्क में आते रहते हैं। साधारण व्यक्ति इन क्षणों को भूल जाता है किन्तु संवेदनाशील कलाकार के अन्तः पटल पर ये क्षण सदा–सर्वदा के लिए विद्यमान रहते हैं। इन क्षणों की स्मृति जब कभी उसे आकुल बना देती है, तभी संस्मरण साहित्य की सृष्टि होती है।

डॉ० चौहान के शब्दों में, "संस्मरण में लेखक किसी ऐसी घटना, स्थल या व्यक्ति से सम्बन्धित निजी अनुभूति की स्मृति को साकारता प्रदान करता है, जो अंदर ही अंदर उसके मन को कुरेदती रहती है और अभिव्यक्ति के लिए उसके मन प्राण को उद्वेलित करती रहती है।"

डॉ० त्रिगुणायत ने लिखा है कि, "भावुक कलाकार जब अतीत की अनन्त स्मृतियों में से कुछ रमणीय अनुभूतियों को अपनी कोमल कल्पना से अनुरंजित कर व्यंजनामूलक संकेत शैली में अपने व्यक्तित्व की विशेषताओं से विशिष्ट कर रोचक ढंग से यथार्थ रूप में व्यक्त कर देता है, तब उसे संस्मरण कहते हैं।"

Scanned with CamScanner

एक अन्य विद्वान् के शब्दों में, "स्मृति के आधार पर किसी व्यक्ति या विषय के सम्बन्ध में लिखित लेख ग्रंथ को संस्मरण कहते हैं।

संस्मरण–लेखक जो कुछ देखता और अनुभव करता है, उसे अपनी अनुभूतियों से रंग-रंजित कर प्रस्तुत कर देता है। वह इतिहासकार की भाँति तथ्यपरक विवरण भर नहीं देता, वरन् अपनी अनुभूतियों को साहित्यिकता से अभिमंडित कर उपस्थित करता है। आत्मकथा और संस्मरण में अन्तर यह है कि आत्मकथा में कथा का प्रमुख पात्र लेखक स्वयं होता है, जबकि संस्मरण का प्रमुख पात्र कोई और होता है। रेखाचित्र की अपेक्षा संस्मरण में निजीपन अधिक होता है। युगजीवन की गम्भीर समस्याएँ भी संस्मरण में मुखर हो उठती हैं, पर उन्हीं का चित्रण मुख्य रूप से नहीं किया जाता, वे तो अनायास ही प्रकट हो जाती हैं, जैसे "जल क्रीड़ा के संसर्ग में ही छीटों का सौन्दर्य है।"

संस्मरण के प्रकार– संस्मरण दो प्रकार के होते हैं–

1. रिमिनसेसेज (संस्मरण) तथा
2. मेमोयर्स (स्वतन्त्र)।

पहले अपने विषय में होते हैं, दूसरे अन्य लोगों के सम्बन्ध में। ये दोनों शब्द अंग्रेजी में ही प्रचलित हैं। हिन्दी में इनके लिए प्रायः एक ही शब्द 'संस्मरण' प्रयुक्त होता है। डॉ० विश्वनाथ शुक्ल ने लिखा है कि, "अंग्रेजी में संस्मरण के लिए दो शब्दों का प्रयोग मिलता है। 'मेमायर्स' और 'रिमिनसेसेज', किन्तु इनमें थोड़ा सा तात्विक भेद है। मेमायर्स अपेक्षाकृत अधिक वस्तुपरक संस्मरण हैं, जबकि रिमिनिसेसेज में लेखक अपने व्यक्तिगत जीवन की अनुभूतियों को कहीं अधिक स्पष्टतया व्यक्त करता है। हिन्दी में इन दोनों के लिए एक ही शब्द है 'संस्मरण' जो अधिक आत्मपरकता द्योतक शब्द है।"

Scanned with CamScanner